



Ancient Vedic Mantras and Rituals





Vijaya Ekadashi

विजया एकादशी (Ekadashi) क्या है?

विजया एकादशी एकादशी की सुबह जल्दी शुरू होती है और 'देवदशी' को सूर्योदय के साथ समाप्त होती है। कई अभ्यर्थी 10वें दिन सूर्यास्त से पहले "सात्विक भोजन" खाकर अपना उपवास शुरू करते हैं। इस दिन किसी भी बच्चे को अनाज, राजमा और चावल का सेवन वर्जित है।

भक्त सूर्योदय से पहले उठते हैं, स्नान करते हैं और फिर ब्रह्म मुहूर्त में भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। सुबह की रस्म पूरी करने के बाद, भक्त माता एकादशी की पूजा करते हैं।

भक्त भगवान विष्णु की पूजा और प्रार्थना करते हैं और मूर्ति को तुलसी के पत्ते, अगरबत्ती, सुपारी और नारियल चढ़ाते हैं।

देवताओं को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए, वे विशेष मूर तैयार करते हैं और देवताओं को उनकी बलि चढ़ाते हैं।



इस दिन वैदिक मंत्रों का जाप और भक्ति गीत गाना बहुत शुभ फलदायी होता है।

इसके अलावा, विश्वासियों को गरीबों की मदद करनी चाहिए, क्योंकि इस दिन किए गए अच्छे कर्म बहुत फलदायी होंगे। अपने साधनों के आधार पर, विश्वासी कपड़े, धन, भोजन और अन्य आवश्यक चीजें दान कर सकते हैं।

इस दिन "विष्णु सहस्रनाम" का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है।

विजया एकादशी (Ekadashi) : समय, व्रत कथा, अनुष्ठान और अर्थ

हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह में कृष्ण पक्ष की एकादशी को विजया एकादशी कहा जाता है। सभी एकादशियों की तरह, विजया एकादशी भी भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित दिन है, जिसमें भगवान गोविंदा के रूप पर विशेष जोर दिया जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, विजया एकादशी हर साल फरवरी और मार्च के बीच आती है।

जैसा कि नाम से पता चलता है, विजया एकादशी के संक्षिप्त अवलोकन से भक्तों के सभी कार्यों में सफलता मिलती है। इसके अतिरिक्त, भक्तों को मोक्ष और वैकुंठ प्राप्त करने का भी पुरस्कार दिया जा सकता है, जो कि पुराणों में वर्णित है, जो बाद के जीवन में भगवान विष्णु का



दिव्य निवास है। विजया एकादशी सभी उम्र के लोगों के लिए खुली है, खासकर उनके लिए जो जीवन के विभिन्न पहलुओं में बाधाओं को दूर करने के इच्छुक हैं।

विजया एकादशी (Ekadashi) व्रत कथा

जब रावण सीता माता का हरण करके लंका ले गया तो श्रीराम वानर सेना की सहायता से समुद्र तट पर पहुँचे। हालाँकि, उनका कार्य विशाल महासागर को पार करना था। पवनपुत्र बनकर हनुमान लंका की ओर उड़े। सीता माता का पता लगाने और लंका जलाने के बाद वे लौट आये।

हालाँकि, श्री राम की चुनौती शेष वानर सेना के साथ सात समुद्र पार करने की थी। श्री लक्ष्मण ने श्री राम को बताया कि यहां से कुछ ही दूरी पर भगवान वकदालुय ऋषि रहते हैं। प्रभु, हमें उनसे कोई समाधान पूछना चाहिए। ऋषि ने भगवान श्री राम से कहा कि आप जल्दी से पूरी वानर सेना के साथ एकादशी का व्रत करें और अपने प्रिय की पूजा करें। भगवान शिव को अपना इष्ट मानकर श्रीराम ने भगवान शिव की पूजा की और ऋषि द्वारा बताई गई व्रत विधि का पालन करते हुए पुरी वेनार के साथ एकादशी का व्रत किया।



करना चाहिए। इस दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

विजया एकादशी (Ekadashi) पर क्या करें?

- दिन की शुरुआत भगवान विष्णु के ध्यान से करनी चाहिए।
- इसी के अनुसार श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए।
- अंत में, विशेष वस्तुएं पेश करें।
- लोगों को अपनी श्रद्धा के अनुसार दान करना चाहिए।
- व्रत के दौरान भजन-कीर्तन करना चाहिए।

विजया एकादशी (Ekadashi) पर क्या न करें?

- चावल का सेवन नहीं करना चाहिए।
- आपको किसी से विवाद नहीं करना चाहिए।
- व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में नहीं सोना चाहिए।
- बुजुर्गों और महिलाओं का अपमान नहीं करना चाहिए।
- अन्यथा किसी के बारे में बुरा नहीं बोलना चाहिए।
- आपको काले कपड़े पहनने से बचना चाहिए।



Related Articles



[Bhagwan Vishnu](#)



[Lord Vishnu Dash Avatar](#)



THANKS FOR READING



READ MORE RELIGIOUS
CONTENT ON



vedicprayers.com



Follow us on:

